

वेदो नामात्सामादेजिह्वा ॥ सतेविष्णोश्चेत्तुवेष्टयवकाश्चकआइ ॥ इतिमानेतिनिम्ववितिममुद्राइ ॥ ५० ॥
 विष्णोउमोप्रवर्तुअजले अवेअना ॥ सतेएकोविमंरकनकखकानता ॥ उवेमावउाशसत्रिसाके वाकिक
 साइलेकप्रमादमिउामुक्कउामुषिक ॥ ५१ ॥ अशोपितरुतिपडम्रुंअकअइम ॥ उथापिउकडिणेष्टकडि
 लोनिकरु ॥ मेवावमानरुमुधामरुडिउनाइ ॥ मरुडिबमथामुथउकडिउसाइ ॥ ५२ ॥ अउनमरु
 बाअणुउरुअडिउअने ॥ उवअनमउकाडमिनि
 उउनेवेकउरुअडिउकषेमेम ॥ ५६ ॥ यनेमाने ॥ मेहिमउमरुअरुअडिइविदेम ॥
 इउकडिकमवि ॥ कडिलोअउकडिबुंउमनमन ॥ एउकेउकडिगेष्टमरुडिउकवि ॥ नाइमानमथव
 मरुडिउकडिबप्रमरुउ ॥ निरुडेअइविदेमअनेप्रम
 इअरुकषयममरु ॥ उकडिवामेहिमउनिरुडिनकषे ॥ विनाअलेअमरुअडिउसाइनेषे ॥ अति
 यवाउकडिउअमरुअनकाम ॥ निबउषेनअेताकिवालाषामषाम ॥ ५७ ॥ ॥ ॥ इति ॥ कडिलवडि
 मनादेमरुडि ॥ नाइकविथिबिउ ॥ कडिलोअनिष्ट ॥ उकडिगविष्ट ॥ लमनकषाविडिउ ॥ मना
 वगकाउ ॥ उकउमकले ॥ देथेममरुकेमिठा ॥ उकडिविषोषि ॥ अतिमामाअुठे ॥ मरुकोनकर

श्री
 ४

